

## टमाटर

### मृदा, खाद एवं उर्वरक:

पोषक तत्व युक्त दोमट भूमि इसकी खेती के लिए उपयुक्त रहती है। इसके लिए जल निकास की व्यवस्था होना जरूरी होता है। इसकी अच्छी पैदावार के लिए भूमि का पी.एच. मान 6-7 के मध्य होना चाहिए।

खाद व उर्वरकों का प्रयोग करने से पहले निकटतम कृषि विज्ञान केंद्र या जिला कृषि विभाग की मृदा प्रयोगशाला से मिट्टी की जांच करवा लेनी चाहिए। मिट्टी की जांच के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। बुवाई पूर्व लगभग 20-25 टन प्रति हेक्टेयर अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करना चाहिए। कच्ची गोबर की खाद का प्रयोग ना करें ये दीमक को आमंत्रित करती है। रासायनिक खाद का प्रयोग आवश्यकतानुसार करना चाहिए। नाइट्रोजन की मात्रा 120 किलोग्राम, फॉस्फोरस की 100 किलोग्राम तथा पोटेशियम 80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से होनी चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा व फॉस्फोरस एवं पोटेशियम की पूरी मात्रा खेत तैयारी के समय खेत में देनी चाहिए। नाइट्रोजन की शेष बची हुई मात्रा पौधों की रोपाई के 45 दिन बाद टॉप ड्रेसिंग के द्वारा खड़ी फसल में देनी चाहिए।